कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ - 3 (पेंसिल बैंक) टीचर - सुमन शर्मा

पुस्तक - नवतरंग - 2

सुप्रभात बच्चो!

यह कार्य कक्षा दूसरी, विषय - हिन्दी, पाठ्य पुस्तक नवतरंग - 2, पाठ नं० 3 'पेंसिल बैंक' से लिया गया है। यह पाठ आपको 22 अगस्त, 2021 को भेजा जाएगा। यह आवाज़ सुमन शर्मा की है।

बच्चों! आज हम पाठ - 3 'पेंसिल बैंक' पढ़ेंगे। सभी बच्चे अपनी पुस्तक का पेज नं० 17 खोल लें।

बच्चो! नई चीज़ें लेना सबको अच्छा लगता है। लेकिन चीज़ों को सही तरह से इस्तेमाल करना और सँभालकर रखना ज़रूरी है। आमतौर पर उपयोग कर लेने के बाद बची हुई चीज़ को हम फेंक देते हैं। ज़रा सोचें, अगर उसका कुछ और उपयोग हो सकता है... तो

पाठ - 3 पेंसिल बैंक

ट्रिंगऽऽऽऽ..... स्कूल की छुट्टी की घंटी बजी। सभी बच्चे अपना-अपना बस्ता लेकर तेज़ी से बाहर भागे। देखते ही देखते कक्षा खाली हो गई।

मुदित और विदिता कक्षा में ही थे। माँ ऑफ़िस से लौटते समय उन्हें लेने आती थीं। रोज़ की तरह मुदित और विदिता नीचे गिरी हुई और मेज़ पर छूटी हुई पेंसिलें इकट्ठी करने लगे।

Scanned with ACE Scanner

उपविषय - पाठ-3 (पेंसिल बैंक) टीचर - सुमन शर्मा

पुस्तक - नवतरंग - 2

तभी वहाँ किसी की सिसकियों की आवाज़ सुनाई दी....।

यह सिसकियों की आवाज़ कहाँ से आ रही है? सोचकर मुदित ने इधर-उधर देखा। तभी उसकी नज़र कूड़ेदान पर पड़ी। उसने अंदर झाँका तो हैरान रह गया। यह तो एक छोटी-सी पेंसिल की आवाज़ थी।

इतने में माँ दोनों को लेने आ गईं। कक्षा के पंखे-बिजली बंद करके बच्चे माँ के साथ चल दिए। रास्ते में मुदित छोटी पेंसिल के बारे में माँ को बताने लगा। विदिता ने भी बताया कि उनके बहुत-से साथी पेंसिल छोटी हो जाने पर फेंक देते हैं।

इतनी सारी पेंसिलें इकट्ठी हो गई हैं हमारी कक्षा में। क्या करें?—विदिता ने पूछा।

माँ ने समझाया — अपनी कक्षा में एक पेंसिल बैंक बना लो। जिस दिन कोई बच्चा किसी कारणवश पेंसिल बॉक्स न लाए, तो बैंक से पेंसिल उधार ले ले। फिर वापस जमा कर दे।

Scanned with ACE Scanner

उपविषय - पाठ-3 (पेंसिल बैंक) टीचर - सुमन शर्मा

पुस्तक - नवतरंग - 2

बच्चो! अब पाँच मिनट की ब्रेक लेते हैं। ब्रेक में जाने से पहले मैं आप से कुछ प्रश्न पूछने जा रही हूँ जिनके उत्तर आप अपनी हिन्दी नोट बुक में लिखोगे।

प्रश्न 1. माँ बच्चों को स्कूल से लेने कब आती थीं?

प्रश्न 2. मुदित और विदिता क्या कर रहे थे?

प्रश्न 3. सिसकियों की आवाज़ किसकी थी?

(ब्रेक का समय समाप्त)

बच्चो! अब आगे बढ़ने से पहले मैं आपको ऊपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर बता देती हूँ।

उत्तर 1: माँ ऑफ़िस से लौटते समय बच्चों को स्कूल से लेने आती थीं।

उत्तर 2: मुदित और विदिता कक्षा में नीचे गिरी हुई और मेज़ पर छूटी हुई पेंसिलें इकट्ठी कर रहे थे।

उत्तर 3.: सिसकियों की आवाज़ एक छोटी पेंसिल की थी।

Scanned with ACE Scanner

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ - 3 (पेंसिल बैंक) टीचर - सुमन शर्मा

पुस्तक - नवतरंग - 2

यह सुझाव सुनकर तो मुदित और विदिता की आँखों में चमक आ गई। अगले दिन वे एक खाली डिब्बा स्कूल ले गए। उसमें सब पेंसिलें रख दीं। एक दिन अज़ीज कक्षा में उदास बैठा था। विदिता ने कारण पूछा, तो वह बोला— आज मेरा पेंसिल बॉक्स घर पर ही रह गया। क्या करूँ? विदिता ने पेंसिल बैंक उसके सामने रखा और बोली— परेशान मत हो। यह हमारा पेंसिल बैंक है। यहाँ से पेंसिल उधार ले सकते हो।

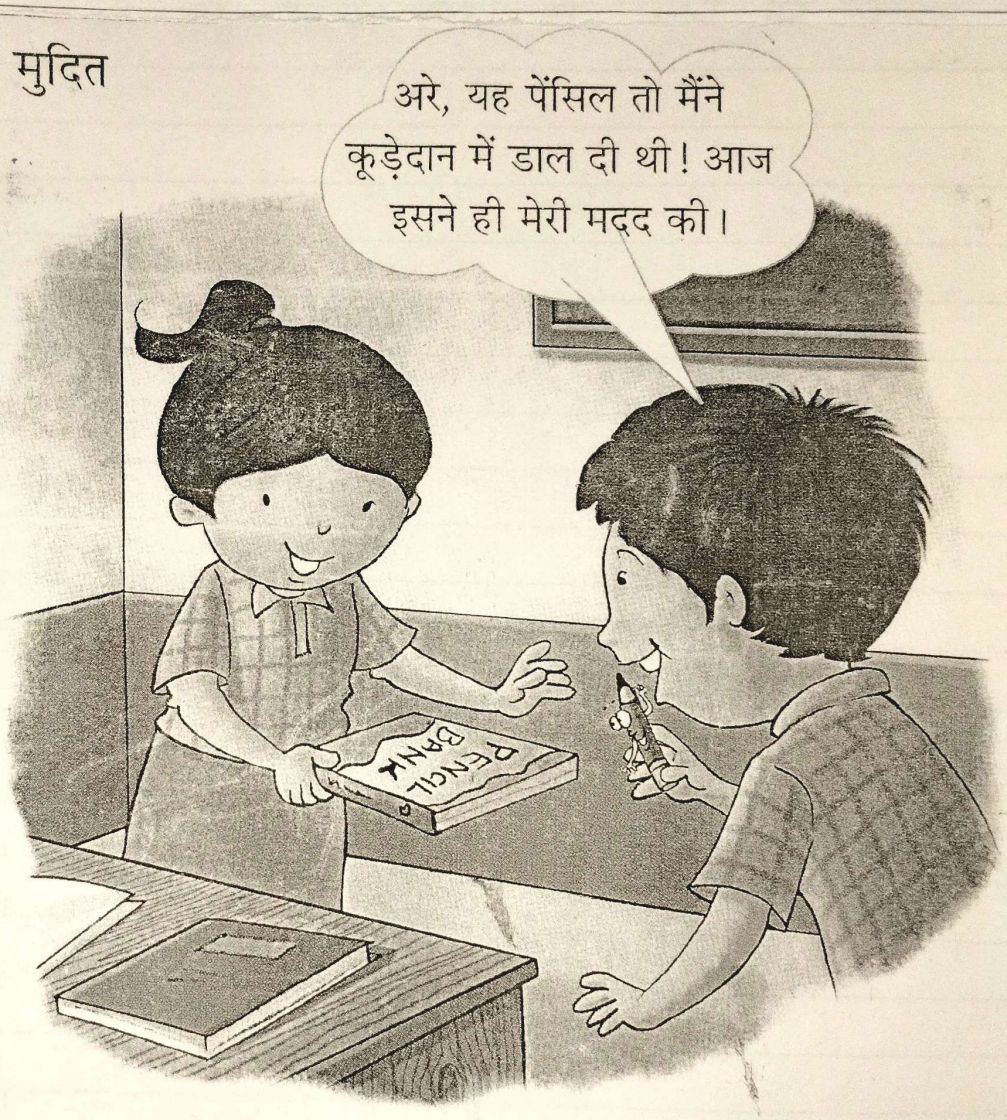

अज़ीज़ ने डिब्बे में से एक पेंसिल उठा ली। पेंसिल फिर से अज़ीज़ के हाथ में आकर बहुत खुश थी।

Scanned with ACE Scanner